

3/3/20

वादीगण द्वारा 152 CPC अंतर्गत प्रार्थना-  
पत्र 27-11-19 को पेश किया गया था।  
इस दावे का विस्तारण न्यायालय  
श्रीमान सहायक जिलाधीश एवं अप्पण्ड  
अधिकारी, जोधपुर के द्वारा पारित  
निर्णय दिनांक 25.4.19 को किया गया  
था। निर्णय में वादीगण का दावा मय  
राजीनामा के स्वीकार कर निर्णय  
पारित किया गया था। प्रार्थना-पत्र  
अनुसार <sup>डिक्री</sup> निर्णय के पेश संख्या 5  
में भूलवश 'संख्या' के स्थान पर  
'नैनी' रूप गया है। प्रार्थना-पत्र एवं  
डिक्री का अवलोकन किया गया। डिक्री  
पेश संख्या 5 में लिखा है 'वादी  
सं. 4।1 से 4।5 नैनी के वारीसाब.?'  
संशोधित वाद शीर्षक का भी अवलोकन  
किया गया जिसके अनुसार वादी  
सं. 4 संख्या पुत्री दिने खाँ पत्नी  
रफीक खाँ है न कि श्रीमती नैनी।

अतः प्रार्थना-पत्र स्वीकार  
किया जाता है। यह भूल लिपिकीय भूल है  
तथा इस आकस्मिक भूल की सुधरी  
हेतु आदेश दिया जाता है। अतः जिलाधीश  
एवं अप्पण्ड अधिकारी जोधपुर द्वारा पारित  
निर्णय दिनांक 25.4.19 की डिक्री की पेश  
संख्या 5 में 'वादी सं. 4।1 से 4।5  
नैनी के वारिसाब' की जगह 'वादी  
संख्या 4।1 से 4।5 संख्या के वारिसाब'

तारीख  
हुकम

पदा जावे ।

1. ... 2. ... 3. ... 4. ... 5. ... 6. ... 7. ... 8. ... 9. ... 10. ... 11. ... 12. ... 13. ... 14. ... 15. ... 16. ... 17. ... 18. ... 19. ... 20. ... 21. ... 22. ... 23. ... 24. ... 25. ... 26. ... 27. ... 28. ... 29. ... 30. ... 31. ... 32. ... 33. ... 34. ... 35. ... 36. ... 37. ... 38. ... 39. ... 40. ... 41. ... 42. ... 43. ... 44. ... 45. ... 46. ... 47. ... 48. ... 49. ... 50. ... 51. ... 52. ... 53. ... 54. ... 55. ... 56. ... 57. ... 58. ... 59. ... 60. ... 61. ... 62. ... 63. ... 64. ... 65. ... 66. ... 67. ... 68. ... 69. ... 70. ... 71. ... 72. ... 73. ... 74. ... 75. ... 76. ... 77. ... 78. ... 79. ... 80. ... 81. ... 82. ... 83. ... 84. ... 85. ... 86. ... 87. ... 88. ... 89. ... 90. ... 91. ... 92. ... 93. ... 94. ... 95. ... 96. ... 97. ... 98. ... 99. ... 100. ...

